ANNUAL SECONDARY EXAMINATION, 2014

HINDI (हिन्दी)

समयः 3 घण्टे] **SET-A** **[पूर्णांक: 100**

सामान्य निर्देश :

1. इस प्रश्न पत्र के चार खण्ड हैं यथा क, ख, ग एवं घ। चारों खण्डों से सभी प्रश्न अनिवार्य है।

2. प्रश्नों के उत्तर प्रश्नों के साथ दिए गए निर्देश के आलोक में ही लिखें।

3. 1 अंक के प्रश्नों का उत्तर प्रत्येक एक शब्द या एक वाक्य में, 2 अंक के प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 40 शब्दों में, 3 अंक के प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 60 शब्दों में, 4 अंक के प्रश्नों का उत्तर प्रत्येक लगभग 80 शब्दों में, 5 अंक के प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 100 शब्दों में एवं 10 अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में लिखें।

खण्ड-क: अपठित गद्यांश (20 अंक)

प्रश्न 1. नीचे दिये गये गद्यांश को ध्यानपूर्वक पड़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए:

साहस की जिन्दगी सबसे बड़ी जिन्दगी होती है। ऐसी जिन्दगी की सबसे बड़ी पहचान यह है कि वह बिल्कुल निडरा, बेखौफ होती है। साहसी मनुष्य की पहली पहचान यह है कि वह इस बात की चिन्ता नहीं करता कि तमाशा देखने वाले लोग उसके बारे में क्या सोच रहे हैं? जनमत की उपेक्षा करके जीने वाला आदमी दुनिया की असली ताकत होता है और मनुष्यता को प्रकाश भी उसी आदमी से मिलता है। अड़ोस-पड़ोस को देखकर चलना, यह साधारण जीव का काम है। क्रांति करने वाले लोग अपने उद्देश्य की तुलना न तो पड़ोसी से करते हैं और न अपनी चाल को ही पड़ोसी की चाल देखकर मद्धिम बनाते हैं।

साहसी मनुष्य उन सपनों में भी रस लेता है जिस सपनों का कोई व्यावहारिक अर्थ नहीं है। साहसी मनुष्य सपने उधार नहीं लेता, वह अपने विचारों में रमा हुआ अपनी

ही किताब पढ़ता है। झुंड में चलना और झुंड में चरना, यह भैंस और भेड़ का काम है। सिंह तो बिल्कुल अकेला होने पर भी मगन रहता है।

अर्नाल्ड बेनेट ने एक जगह लिखा है कि जो आदमी यह महसूस करता है कि किसी महान निश्चय के समय वह साहस से काम नहीं ले सका, जिन्दगी की चुनौती को कबूल नहीं कर सका, वह सुखी नहीं हो सकता। बड़े मौके पर साहस नहीं दिखाने वाला आदमी बराबर अपनी आत्मा के भीतर एक आवाज सुनता रहता है। एक ऐसी आवाज जिसे वह सुन सकता है और जिसे वह रोक भी नहीं सकता। यह आवाज उसे बराबर कहती रहती है. "तुम साहस नहीं दिखा सके, तुम कायर की तरह भाग खड़े हुए।" सांसारिक अर्थ में जिसे हम सुख कहते हैं उसका न मिलना, फिर भी, इससे कहीं श्रेष्ठ है कि मरने के समय हम अपनी आत्मा से यह धिक्कार सुनें कि तुममें हिम्मत की कमी थी कि तुममें साहस का अभाव था, कि तुम ठीक वक्त पर जिन्दगी में भाग खड़े हुए।

जिन्दगी को ठीक से जीना हमेशा ही जोखिम झेलना है और जो आदमी सकुशल जीने के लिए जोखिम का हर जगह एक मेरा डालता है, वह अंततः अपने ही घेरों के बीच कैच हो जाता है और जिन्दगी का कोई मजा उसे नहीं मिल पाता, क्योंकि जोखिम से बचने की कोशिश में, असल में उसने जिन्दगी को ही आने से रोक रखा है।

भोजन का असली स्वाद उसी को मिलता है जो कुछ दिन बिना खाए भी रह सकता है। 'त्यक्तेन भुञ्जीया' जीवन में भोग त्याग के साथ करो, यह केवल परमार्थ का उपदेश ही नहीं है, क्योंकि संयम से भोग करने, पर जीवन में जो आनन्द प्राप्त होता है, वह निराभोगी बनकर भोगने से नहीं मिल पाता।

प्रश्न :

(क) इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए ।

(ख) किसे सबसे बड़ी जिन्दगी बताया गया है?

(ग) उस जिन्दगी की सबसे बड़ी पहचान क्या है?

(घ) साहसी मनुष्य कौन होता है?

(ड.) झुण्ड में कौन लोग रहते हैं?

(च) अर्नाल्ड बेनेट ने क्या लिखा है?

(छ) जिन्दगी को ठीक से जीना क्या है?

(ज) भोजन का असली स्वाद किसे मिलता है?

(झ) जीवन का भोग किस प्रकार करना चाहिए?

(ञ) जिन्दगी का कोई मजा किसे नहीं मिलता है?

(ट) 'साहस' का पर्यायवाची शब्द लिखिए।

(ठ) 'सांसारिक' शब्द का प्रत्यय अलग कीजिए ।

प्रश्न 2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उससे संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

एक समय था जब पानी सब जगह मिल जाता था। इसीलिए इसे कोई महत्त्व नहीं दिया जाता था। लेकिन तेजी से बढ़ती हुई जनसंख्या और जीवन शैली में आए परिवर्तन के कारण जल अब दुर्लभ हो गया है। इसी दुर्लभता के कारण जल का आर्थिक मूल्य बहुत बढ़ गया है। अब तक जल की प्रमुख माँग फसलों की सिंचाई के लिए होती थी, लेकिन अब उद्योगों और घरेलू उपयोग के लिए भी जल की बहुत आवश्यकता है। इसीलिए जल अब एक बहुमूल्य संसाधन बन गया है। नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में पीने के पानी की माँग बिल्कुल अलग-अलग तरह की होती है। आइए, सबसे पहले नगरीय क्षेत्रों में जल की समस्या का अध्ययन करें।

नगरीय क्षेत्रों में सामान्यतः जल का एक ही स्रोत होता है और उसी से सभी की आवश्यकताएँ पूरी होती हैं। नगरीय क्षेत्रों में जल, झीलों या कृत्रिम जलाशयों या नदियों या नदी के तल में गहरे खोदे गए, कुओं या नलकूपों में लाकर इकट्ठा किया जाता है। कभी-कभी जल के लिए इन सभी स्रोतों का उपयोग किया जाता है। इन स्रोतों को लेकर पहले उसमें क्लोरीन जैसे रसायन मिलाकर उसे स्वच्छ किया जाता है। इसके बाद वह पीने के लिए सुरक्षित बन जाता है। ऐसा सुरक्षित जल नगर की सम्पूर्ण जनसंख्या को अनेक बीमारियों से बचाता है। नगरों में जल की भारी मात्रा में आवश्यकता होती है क्योंकि जल का पीने के साथ-साथ सभी घरेलू कामों में उपयोग होता है। बहुत सारा जल तो सीवर में जल-मल बहाने में लग जाता है। जैसे-जैसे नगरों की जनसंख्या तेजी से बढ़ती जा रही है वैसे-वैसे वहाँ पानी की कमी के कारण झुग्गी-झोपड़ियों के निवासियों को प्रायः बिना साफ किया हुआ गंदा पानी ही पीना

पड़ता है। इसी कारण वहाँ प्रायः महामारियाँ फैल जाती हैं। नगरों में उद्योग के लिए भी जल की भारी मात्रा में आवश्यकता होती है। ग्रामीण क्षेत्रों में पीने के पानी की आपूर्ति में कई दोष पाए जाते हैं। वहाँ पीने के सुरक्षित पानी का कोई स्रोत नहीं होता है। प्रायः जल के एक स्रोत का ही अनेक उद्देश्यों के लिए उपयोग किया जाता है। उसी में बर्तन साफ होते हैं, आदमी और जानवर एक साथ नहाते हैं, कपड़े धोए जाते हैं और गंदगी भी उसका रासायनिक संघटन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है। इस पानी को स्वच्छ करके मानवीय उपयोग के लायक बनाने की कोई व्यवस्था भी नहीं होती।

प्रश्न :

(क) प्रस्तुत गद्यांश का एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए ।

(ख) पहले सब जगह सुलभ पानी अब दुर्लभ क्यों हो गया है?

(ग) आज जल एक बहुमूल्य संसाधन क्यों बन गया है?

(घ) नगरों में पेयजल की व्यवस्था किस प्रकार की जाती है?

(ङ) नगरों की झुग्गी-झोंपड़ी बस्तियों में बीमारी का क्या कारण है?

(च) ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल का अभाव क्यों है?

(छ) 'उपयोग' का विलोम शब्द लिखिए।

(ज) 'जनसंख्या' कौन समास है?

खण्ड-ख : रचना (15 अंक)

प्रश्न 3. दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबंध लिखें :

(क) भारतीय किसान :

(संकेत बिन्दु-भारत गाँवों का देश, परिश्रमी जीवन, कठिन संघर्ष, अनेकानेक समस्याएँ, समाधान का उपाय, उपसंहार।)

(ख) विज्ञान-वरदान या अभिशाप :

(संकेत बिन्दु-'विज्ञान' का अर्थ, विज्ञान के दो रूप - वरदान के रूप में, अभिशाप के रूप में उपसंहार।)

(ग) अच्छा स्वास्थ्य महावरदान :

(संकेत बिन्दु-'स्वास्थ्य' का अर्थ अच्छा स्वास्थ्य क्या है? स्वास्थ्य का महत्त्व, स्वास्थ्य वरदान के रूप में, उपसंहार।)

प्रश्न 4. झारखण्ड के किसी ऐतिहासिक स्थान का वर्णन करते हुए अपने मित्र को एक पत्र लिखिए ।

अथवा

मलेरिया से बचाव हेतु अपने जिले के स्वास्थ्य अधिकारी को एक पत्र लिखिए।

खण्ड ग : व्यावहारिक व्याकरण (15 अंक)

प्रश्न 5. वाक्य में प्रयुक्त क्रिया के भेदों (अकर्मक-सकर्मक) को लिखिए :

(i) हमलोग नहा रहे हैं।

(ii) खिलाड़ी पुरस्कार पाता है।

(iii) लड़कों ने क्रिकेट खेला।

प्रश्न 6. रिक्त स्थानों की पूर्ति अव्यय पदों से कीजिए:

(i) चीखो मत, ... बोलो।

(ii) अनुराग ..... सत्य बोलता है।

(iii) हमें अपनी सभ्यता ..... और संस्कृति पर गर्व है।

प्रश्न 7. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए:

(i) संयुक्त वाक्य का एक उदाहरण दीजिए ।

(ii) यह वही शहर है, जहाँ मेरा भाई रहता है। (सरल वाक्य में बदलें।)

(iii) जो सदा सत्य बोलता है, उसी की जीत होती है। (आश्रित उपवाक्य को अलग कीजिए ।)

प्रश्न 8. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए:

(i) सिपाही ने चोर को पकड़ा। (कर्मवाच्य में बदलें)

(ii) छत पर कैसे सोओगे। (भाववाच्य में बदलें।)

(iii) आपको सूचित किया जाता है। (यह वाक्य किस वाच्य में है?)

प्रश्न 9. (i) 'देशभक्त' का समास विग्रह करें।

(ii) 'कृष्णार्जुन' कौन समास है?

(iii) 'उत्तर' के दो भिन्न अर्थ लिखें।

खण्ड : घ पाठ्य पुस्तकें (50 अंक)

प्रश्न 10. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

छोटे से जीवन की कैसे बड़ी कथाएँ आज कहूँ ?

क्या यह अच्छा नहीं कि औरों की सुनता मैं मौन रहूँ?

सुनकर क्या तुम भला करोगे मेरी भोली आत्म-कथा?

अभी समय भी नहीं, थकी सोई है मेरी मौन व्यथा ।

प्रश्नः

(क) कवि तथा कविता का नाम लिखिए।

(ख) 'छोटे से जीवन' और 'बड़ी कथाएँ' का क्या आशय है?

(ग) कवि ने किस प्रकार अपनी विनम्रता प्रकट की है?

(घ) 'मौन व्यथा' का अर्थ लिखिए।

अथवा

माँ ने कहा पानी में झाँककर

अपने चेहरे पर मत रीझना

आग रोटियाँ सेकने के लिए हैं

जलने के लिए नहीं

वस्त्र और आभूषण शाब्दिक धर्मों की तरह

बंधन हैं स्त्री जीवन के

माँ ने कहा लड़की होना

पर लड़की जैसी दिखाई मत देना ।

प्रश्न :

(क) कवि तथा कविता का नाम लिखिए।

(ख) आपके विचार से माँ ने ऐसा क्यों कहा कि लड़की होना पर लड़की जैसी मत दिखाई देना?

(ग) वस्त्र और आभूषण को स्त्री जीवन का बन्धन क्यों कहा गया है ?

(घ) माँ ने अपनी कन्या को अपने चेहरे पर रीझने के लिए क्यों मना किया?

प्रश्न 11. निम्न में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) परशुराम के क्रोध करने पर लक्ष्मण ने धनुष के टूट जाने के लिए कौन-कौन से तर्क दिए?

(ख) कवि देव ने 'श्री ब्रजदूलह' किसके लिये प्रयुक्त किया है और उन्हें संसार-रूपी मंदिर का दीपक क्यों कहा गया है? https://www.jharkhandboard.com

(ग) 'अट नहीं रही है' कविता में कवि ने प्रकृति की व्यापकता का वर्णन किन रूपों में किया है?

(घ) बच्चे की मुस्कान और एक बड़े व्यक्ति की मुस्कान में क्या अंतर है?

अथवा

(क) 'छाया मन छूना' कविता का संदेश क्या है?

(ख) 'उत्साह' कविता का शीर्षक उत्साह क्यों रखा गया है?

प्रश्न 13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

फादर को याद करना एक उदास शांत संगीत को सुनने जैसा है। उनको देखना करुणा के निर्मल जल में स्नान करने जैसा था और उनसे बात करना कर्म के संकल्प से

भरना था। मुझे 'परिमल' के वे दिन याद आते हैं जब हम सब एक पारिवारिक रिश्ते में बँधे जैसे थे जिसके बड़े फादर फुल्के थे। हमारे हँसी-मजाक में वह निर्लिप्त शामिल रहते हमारी गोष्ठियों में वह गम्भीर बहस करते, हमारी रचनाओं पर बेबाक राय और सुझाव देते और हमारे घरों के किसी भी उत्सव और संस्कार में वह बड़े भाई और पुरोहित जैसे खड़े हो हमें अपने आशीषों से भर देते। मुझे अपना बच्चा और फादर का उसके मुख में पहली बार अन्न डालना याद आता है और नीली आँखों की चमक में तैरता वात्सल्य भी जैसे किसी ऊँचाई पर देवदारु की छाया में खड़े हों।

प्रश्न-

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) 'परिमल' के दिन से लेखक का क्या आशय है?

(ग) फादर परिमल के सदस्यों के साथ कैसा संबंध रखते थे?

(घ) लेखक ने फादर को देवदारु की छाया-सा क्यों कहा है?

अथवा

आज पीछे मुड़कर देखती हूँ तो इतना तो समझ में आता ही है क्या तो उस समय मेरी उम्र थी और क्या मेरा भाषण रहा होगा। यह तो डॉक्टर साहब का स्नेह था जो उनके मुँह से प्रशंसा बनकर बह रहा था या यह भी हो सकता है कि आज पचास साल पहले अजमेर जैसे शहर में चारों ओर से उमड़ती भीड़ के बीच एक लड़की का बिना किसी संकोच ओर झिझक के यों धुआँधार बोलते चले जाना ही इसके मूल में रहा हो पर पिता जी । कितनी तरह के अंतर्विरोधों के बीच जीते थे वे। एक और विशिष्ट बनने और बनाने की प्रबल लालसा तो दूसरी ओर अपनी सामाजिक छवि के प्रति भी उतनी ही सजगता । पर क्या यह संभव है? क्या पिता जी को इस बात का बिल्कुल भी अहसास नहीं था कि इन दोनों का तो रास्ता ही टकराहट का है ?

प्रश्न :

(क) पाठ और लेखिका का नाम लिखिए ।

(ख) कौन-से दो रास्ते टकराव के कारण बनते हैं?

(ग) लेखिका के पिताजी का अंतर्विरोध क्या था?

(घ) लेखिका ने स्वतंत्रता-आंदोलन में किस प्रकार योगदान किया?

प्रश्न 14. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) सेनानी ने होते हुए भी चश्में वाले को लोग कैप्टन क्यों कहते थे?

(ख) बालगोबिन भगत की दिनचर्या लोगों के अचरज का कारण क्यों थी?

(ग) विस्मिल्ला खाँ को शहनाई की मंगलध्वनि का नायक क्यों कहा गया है?

(घ) आग की खोज एक बहुत बड़ी खोज क्यों मानी जाती है? इस खोज के पीछे रही प्रेरणा के मुख्य स्रोत क्या रहे होंगे?

प्रश्न 15. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) पठित पाठ के आधार पर बताइए कि बालगोबिन भगत की कबीर पर श्रद्धा किन-किन रूपों में प्रकट हुई है।

(ख) आपके विचार से फादर बुल्के ने भारत आने का मन क्यों बनाया होगा?

अथवा

(क) 'नेताजी का चश्मा' पाठ का क्या संदेश है?

(ख) "बिस्मिल्ला खाँ मिली-जुली संस्कृति के प्रतीक थे।" सिद्ध करे।

प्रश्न 16. 'और देखते ही देखते नयी दिल्ली का काया पलट होने लगा'-नयी दिल्ली के काया पलट के लिए क्या-क्या प्रयत्न किए गए होंगे ?

अथवा

जितेन गर्गे की गाइड की भूमिका के बारे में विचार करते हुए लिखिए कि एक कुशल गाइड में क्या-क्या गुण होते हैं?

प्रश्न 17. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए :

(क) आपके विचार से भोलानाथ अपने साथियों को देखकर सिसकना क्यों भूल जाता है?

(ख) अखबारों ने गंदा नाक लगने की खबर को किस तरह से प्रस्तुत किया?

(ग) गंतोक को 'मेहनतकश बादशाहों का शहर' क्यों कहा गया

(घ) 'एही तैयाँ झुलनी हेरानी हो गया।' का प्रतीकार्थ समझाइए।